Toppersnotes®
Unleash the topper in you

Rajasthan – CET

स्नातक स्तर

सामान्य पात्रता परीक्षा (CET)

भाग - 3

भारत का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	भारत की भौगोलिक स्थिति	1
2	भारत की संरचना और भू–आकृति	5
3	जलवायु एवं भारतीय मानसून	18
4	अपवाह तंत्र	23
5	वन्यजीव सरंक्षण	32
6	फसलें	40
7	भारत में खनिज	43
8	भारत के ऊर्जा स्रोत	45
9	भारत में उद्योग	49
10	भारत में परिवहन	53
11	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	58
12	सिन्धु घाटी सभ्यता	64
13	बौद्ध धर्म और जैन धर्म	68
14	मौर्य साम्राज्य	72
15	गुप्त काल और गुप्तोतर काल	75
16	अरब आक्रमण एवं दिल्ली सल्तनत	79
17	मुग़ल साम्राज्य	84
18	1857 का विद्रोह एवं उसके परिणाम	90
19	सामाजिक–धार्मिक आंदोलन	93
20	राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना	97
21	राष्ट्रीय आंदोलन (1905–1919)	100
22	गांधी युग और राष्ट्रीय आंदोलन (1919–1940)	103
23	स्वतंत्रता की ओर (1940 – 1947)	110

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	क्रांतिकारी गतिविधियाँ	113
25	गवर्नर जनरल और वायसराय	116
26	भारतीय संविधान का निर्माण	118
27	भारतीय संविधान की विशेषताएँ	122
28	प्रस्तावना	127
29	नागरिकता	129
30	मूल अधिकार	131
31	नीति निदेशक सिद्धांत	136
32	मौलिक कर्तव्य	138
33	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	139
34	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	145
35	संसद	147
36	संविधान संशोधन	154
37	न्यायपालिका	158
38	राज्य विधानमंडल	166
39	संवैधानिक एवं गैर–संवैधानिक निकाय	172
40	राष्ट्रीय आय	176
41	भारत में आर्थिक नियोजन	178
42	भारत में बैंकिंग और मौद्रिक नीति	181
43	राजकोषीय नीति	186
44	कराधान	187
45	बजट	190
46	कृषि क्षेत्र	193

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
47	उद्योग और सेवा क्षेत्र	197

1 CHAPTER भारत की भौगोलिक स्थिति

- दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप तीन ओर जल से घिरा हुआ है। इसके दक्षिण में हिंद महासागर, पश्चिम में अरब सागर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके उत्तर में हिमालय पर्वतमाला है।

विश्व में भारत

- एशिया महाद्वीप में स्थित → दक्षिण एशियाई देश
- विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% हिस्सा भारत में है (जनगणना 2011 के अनुसार)
- विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4% भारत में है
- क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व में भारत का **सातवाँ स्थान** (रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ब्राज़ील, ऑस्ट्रेलिया के बाद)

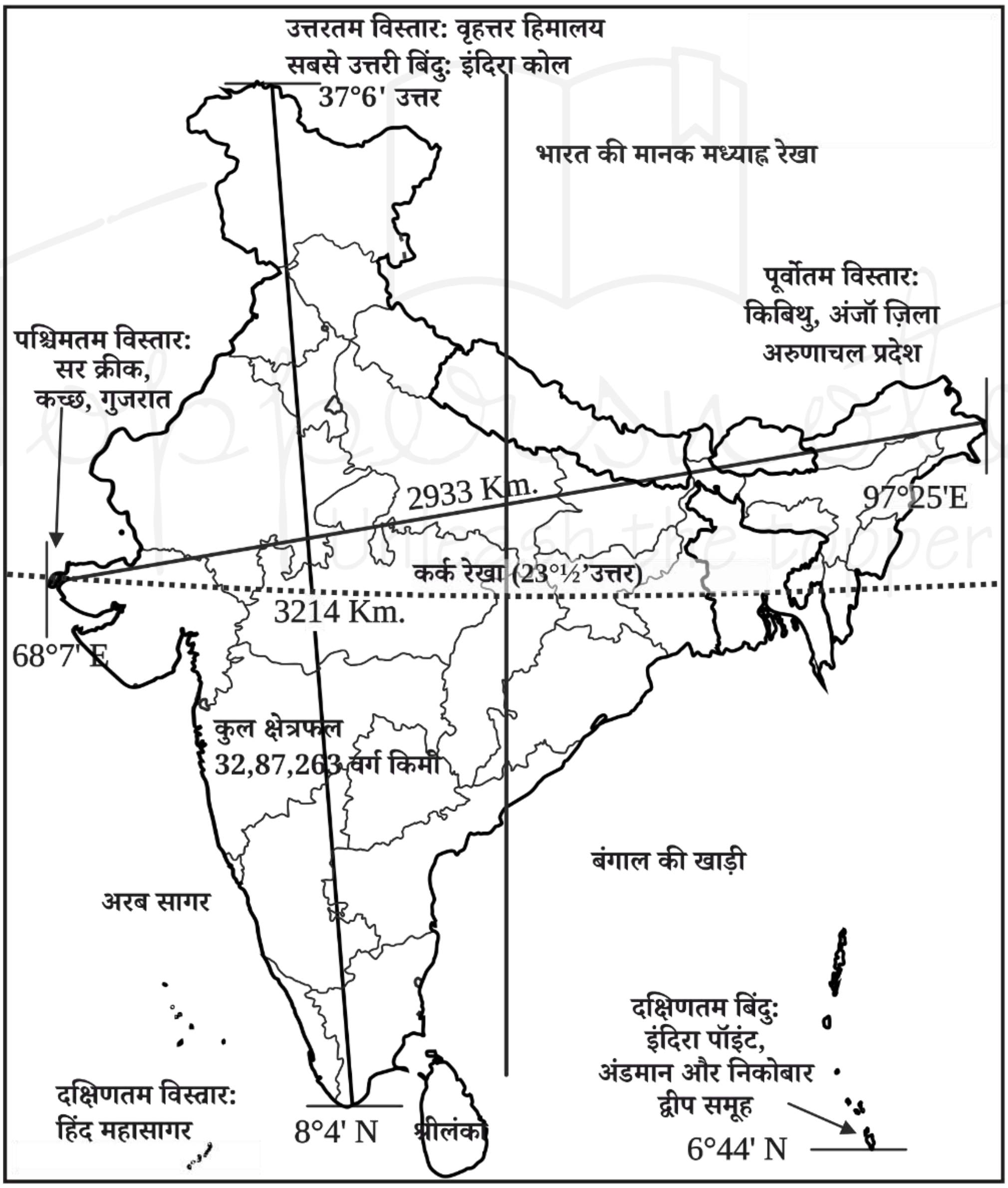

एक भौगोलिक इकाई के रूप में भारत:

1. **भौगोलिक विस्तार**
   - ✓ **अक्षांशीय विस्तार: 8°4** उत्तरी (दक्षिणी छोर) अक्षांश से **37° 6** उत्तरी (उत्तर छोर) अक्षांश तक।
   - ✓ **देशांतर विस्तार: 68°7** पूर्वी (पश्चिमी छोर) देशांतर से **97° 25** पूर्वी (पूर्वी छोर) देशांतर तक।
   - ✓ **उत्तर-दक्षिण दूरी: 3214** किमी।
   - ✓ **पूर्व-पश्चिम दूरी: 2933** किमी।
   - ✓ **भारत का कुल** क्षेत्रफल - **32,87,263** वर्ग किमी।

2. **सीमा विवरण**
   - ✓ **कुल भूसीमा की लंबाई: 15,106.7** किमी, जो पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती है।
   - ✓ **कुल तटरेखा की लंबाई:**
     - मुख्य भूमि, द्वीपों और खाड़ियों सहित लगभग 7,516.6 किमी।
     - संशोधित तटरेखा (ज्वारीय मुहानों सहित): 11,098 किमी।
     - प्रादेशिक जल: तट से 12 नॉटिकल मील (22.2 किमी) तक विस्तारित।
   - ✓ 28 राज्य और 8 संघशासित प्रदेश शामिल हैं।
   - ✓ कुल अंतर्राष्ट्रीय पड़ोसी: 9 (7 भूसीमा + 2 समुद्री सीमा)।

क्या आप जानते हैं?

- ➢ हिंद महासागर अपने महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों, अवरोध बिंदुओं और रणनीतिक भू-राजनीतिक लाभों के कारण बड़ी शक्तियों के सैन्य ठिकानों की मेजबानी करता है।
- ➢ भारत का सबसे दक्षिणी भाग इंदिरा पॉइंट है जो अंडमान और निकोबार द्वीप पर स्थित है।
- ➢ भारतीय मुख्य भूमि का सबसे दक्षिणी बिंदु कन्याकुमारी (जिसे केप कोमोरिन भी कहा जाता है) है, जो तमिलनाडु राज्य में स्थित है। यहीं पर हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का संगम होता है।
- ➢ भारत का सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात के कच्छ जिले में गुहार मोती का छोटा सा गाँव है।
- ➢ भारत का सबसे पूर्वी बिंदु किबिथु है, जो अरुणाचल प्रदेश में स्थित है।
- ➢ भारत का सबसे उत्तरी बिंदु- इंदिरा कॉल

भारत के पड़ोसी देश और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े राज्य

देश	सीमावर्ती राज्य	लंबाई (किमी)	अन्य महत्वपूर्ण तथ्य
बांग्लादेश	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम	4,096.1 किमी	यह विश्व की पाँचवीं सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय भू - सीमा है।
चीन	जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश	4,056 किमी	
पाकिस्तान	जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, लद्दाख	3,323 किमी	भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के पास सर्वाधिक "मिलियन-प्लस (एक मिलियन से अधिक जनसंख्या)" शहर है। जैसे कराची, लाहौर, फैसलाबाद और रावलपिंडी।
नेपाल	बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल	1,690 किमी	भारत नेपाल के साथ खुली सीमा साझा करता है।
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम	1,643 किमी	रोहिंग्या विस्थापन समस्या।

भूटान	सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल	699 किमी	
अफगानिस्तान	लद्दाख (POK)	106 किमी	सबसे छोटी सीमा: अफगानिस्तान के साथ (POK के माध्यम से, वाखन कॉरिडोर से)।

3. **समुद्री पड़ोसी देश:**
   - ✓ **मालदीव**
     - **आधिकारिक भाषा:** धिवेही
       - ☞ यह भाषा इंडो-आर्यन भाषा परिवार से संबंधित है।
       - ☞ यह प्राचीन सिंहली भाषा से उत्पन्न हुई है।
       - ☞ इसे थाना लिपि में लिखा जाता है, जो दाएँ से बाएँ पढ़ी जाती है।
   - ✓ **श्रीलंका**
     - श्रीलंका पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी द्वारा भारत से अलग होता है। यह तमिलनाडु (भारत) के तट और श्रीलंका के जाफना जिले के बीच स्थित है।
     - जलडमरूमध्य का नाम मद्रास के पूर्व गवर्नर रॉबर्ट पाक के नाम पर रखा गया है।
     - पाक जलडमरूमध्य पंबन द्वीप (भारत), आदम का पुल (राम सेतु) और मन्नार की खाड़ी (श्रीलंका) से घिरा हुआ है।

4. **प्रमुख समानांतर और मध्याह्न रेखाएँ:**
   - ✓ **कर्क रेखा:**
     - भारत को 2 जलवायु क्षेत्रों में विभाजित करती है-
       - ☞ **उष्णकटिबंधीय क्षेत्र :** कर्क रेखा के दक्षिण में।
       - ☞ **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र :** कर्क रेखा के उत्तर में।
     - **8 राज्यों से गुजरती है** → गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।
   - ✓ **मानक देशांतर रेखा:**
     - भारत अपना मानक देशांतर 82.5° पूर्वी देशांतर को मानता है जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के पास स्थित है। यह उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश से गुजरती है।
     - इस देशांतर का उपयोग भारतीय मानक समय (IST) निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जो ग्रीनविच मानक समय से 5 घंटे 30 मिनट (GMT+5:30) आगे है।
     - भारत का देशांतर विस्तार लगभग 30° है जो गुजरात (पश्चिम) से लेकर अरुणाचल प्रदेश (पूर्व) तक फैला हुआ है। इसके कारण, पूर्वी और पश्चिमी छोर के बीच लगभग दो घंटे (104 मिनट या 1 घंटा 44 मिनट) का समय अंतर होता है। भारत का पूर्व-पश्चिम विस्तार अधिक होने के बावजूद संपूर्ण देश एक ही समय क्षेत्र का पालन करता है ताकि प्रशासनिक सुविधा और समानता बनी रहे।

महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

सीमा रेखा	संबंधित देश
रेडक्लिफ़ रेखा	भारत और पाकिस्तान
मैकमोहन रेखा	भारत और चीन
डूरंड रेखा	पाकिस्तान और अफगानिस्तान
49वीं समानांतर रेखा	संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा (सबसे लंबी सीमा)
38वीं समानांतर रेखा	उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया
हिंडनबर्ग रेखा	जर्मनी और पोलैंड
मैजिनोट रेखा	फ्रांस और जर्मनी
ओडर-नीस रेखा	जर्मनी और पोलैंड

राज्य और राजधानी

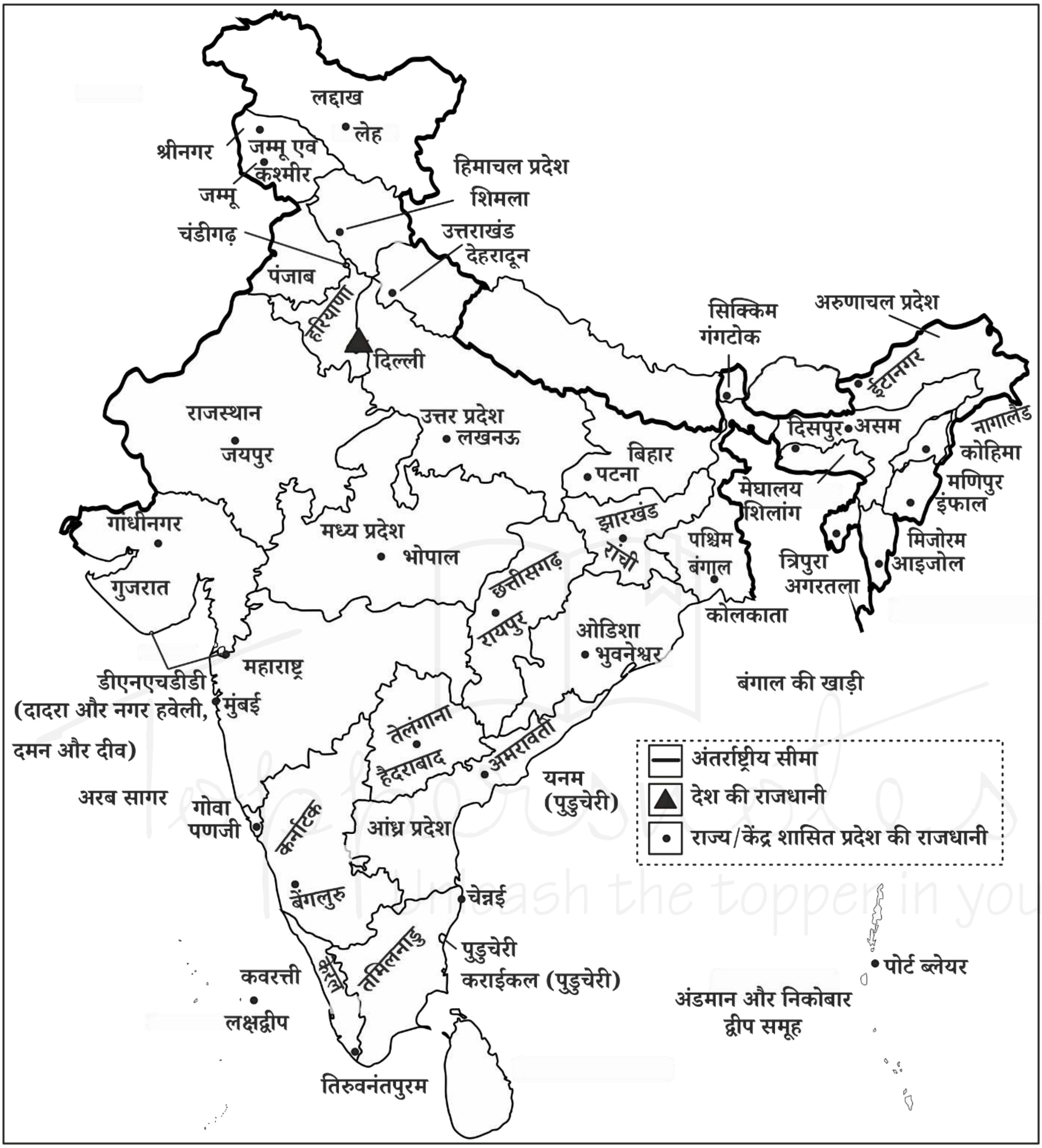
लद्दाख
लेह
श्रीनगर
जम्मू एवं कश्मीर
जम्मू
हिमाचल प्रदेश
शिमला
चंडीगढ़
उत्तराखंड
देहरादून
पंजाब
हरियाणा
दिल्ली
सिक्किम
गंगटोक
अरुणाचल प्रदेश
ईटानगर
राजस्थान
जयपुर
उत्तर प्रदेश
लखनऊ
दिसपुर
असम
नागालैंड
कोहिमा
बिहार
पटना
मेघालय
शिलांग
मणिपुर
इंफाल
गांधीनगर
मध्य प्रदेश
भोपाल
झारखंड
रांची
पश्चिम बंगाल
मिजोरम
आइजोल
त्रिपुरा
अगरतला
गुजरात
छत्तीसगढ़
रायपुर
कोलकाता
ओडिशा
भुवनेश्वर
डीएनएचडीडी
(दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव)
महाराष्ट्र
मुंबई
बंगाल की खाड़ी
तेलंगाना
हैदराबाद
अमरावती
यनम (पुडुचेरी)
अरब सागर
गोवा
पणजी
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
देश की राजधानी
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी
बेंगलुरु
चेन्नई
पुडुचेरी
कराईकल (पुडुचेरी)
तमिलनाडु
केरल
कवरत्ती
लक्षद्वीप
पोर्ट ब्लेयर
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
तिरुवनंतपुरम

2 CHAPTER भारत की संरचना और भू-आकृति

- भारत का भौतिक भूदृश्य लाखों वर्षों में निर्मित विविध भूवैज्ञानिक संरचनाओं और भूआकृतिक विभाजनों द्वारा आकार ग्रहण करता है। यह विविध भू-भाग जलवायु, कृषि, जैव विविधता और मानव बस्तियों के स्वरूप को प्रभावित करते है।

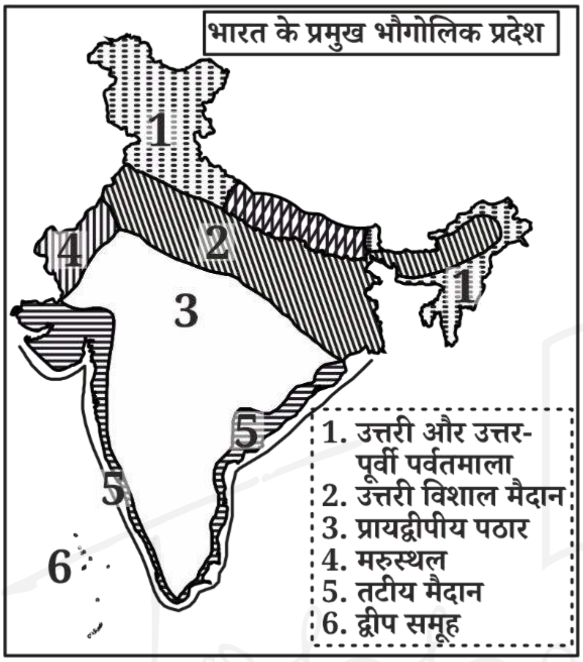

उत्तरी और उत्तर-पूर्वी पर्वतमालाएँ

- इसमें **हिमालय** और **पूर्वोत्तर की पहाड़ियाँ** शामिल है।
- **हिमालय:**
  - ✓ यह कई समानांतर पर्वतमालाओं से मिलकर बना है: **ट्रांस-हिमालय, महान हिमालय (हिमाद्रि), मध्य हिमालय (हिमाचल)** और **शिवालिक** (विस्तार-पश्चिम से पूर्व तक लगभग **2,400 किलोमीटर** की चाप के रूप में)।
  - ✓ **विस्तार की दिशा:** उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व **(**मुख्य पर्वतमालाएँ**)**, पूर्व से पश्चिम **(**सिक्किम क्षेत्र**)** और उत्तर से दक्षिण **(**नागालैंड और मिज़ोरम**)**।
  - ✓ **यह जलवायु, भौतिक संरचना, अपवाह और सांस्कृतिक रूप से प्राकृतिक अवरोध** का कार्य करता है।
  - ✓ यह एक **युवा वलित पर्वत** है।
  - ✓ **प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत** के अनुसार, हिमालय का निर्माण **टेथिस सागर** के तलछटों के संपीड़न से हुआ था।
  - ✓ भारत में, **हिमालय** और **उत्तर के मैदान** नवनिर्मित स्थलरूप है।

हिंदूकुश

- **हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला** को भारत की प्रमुख पर्वतमालाओं में शामिल नहीं **किया** जाता है।
- यह लगभग **800 किलोमीटर** लंबी पर्वतमाला है जो **अफ़ग़ानिस्तान, उत्तरी पाकिस्तान** और **ताजिकिस्तान** से होकर गुजरती है।
- पाकिस्तान के **चित्रल ज़िले** में स्थित **तिरिच मीर** इस पर्वत श्रृंखला की **सर्वोच्च चोटी** है।

उपविभाजन –

A. **हिमालय का उत्तर-दक्षिण दिशा में विभाजन (अनुप्रस्थ पर्वत श्रृंखला)**

विभाजन	**विशेषताएँ**	**प्रमुख शिखर**
महान हिमालय (हिमाद्रि या	i. सबसे ऊँची और सबसे सतत पर्वतमाला (औसत ऊँचाई ~6,100 मीटर)	प्रमुख शिखर: एवरेस्ट (**8,849** मीटर), कंचनजंघा (**8,586**

आंतरिक हिमालय)	ii. इसका दक्षिणी ढलान खड़ा एवं तीव्र है; असममित वलित संरचना; इसका प्रारंभ पश्चिम में नंगा पर्वत (8,126 मीटर) से पूर्व में नामचा बारवा (7,782 मीटर) तक है। iii. महान हिमालय और लघु हिमालय **मुख्य केंद्रीय भ्रंश (MCT)** द्वारा अलग होते है।	मीटर), ल्होत्से, चो ओयू, मकालू, धौलागिरि (नेपाल), नंदा देवी (**7,816** मीटर, उत्तराखंड), त्रिशूल आदि।
लघु हिमालय (मध्य हिमालय)	i. ऊँचाई लगभग 3,500 से 4,500 मीटर के बीच ii. यह क्षेत्र **ऊबड़-खाबड़ उच्चभूमियों** से बना है जिनके बीच में **विस्तृत घाटियाँ** स्थित है। जैसे कश्मीर, कुल्लू, कांगड़ा आदि।	नाग टिब्बा, महाभारत लेख, धौलाधर पर्वतमाला (हिमाचल प्रदेश)।
शिवालिक (बाह्य हिमालय)	i. निम्न ऊँचाई वाले क्षेत्र (900–1,100 मीटर) ii. मध्यम चौड़ाई (10 से 50 किलोमीटर) iii. चौड़ी जलोढ़ घाटियाँ, जिन्हें "दून" कहा जाता है। जैसे- देहरादून (सबसे बड़ा दून), कोटली दून, पाटलीदून। ये घाटियाँ लघु हिमालय और शिवालिक की पहाड़ियों के बीच स्थित होती है। iv. मौसमी जलधाराएँ (जिन्हें **चोस** कहा जाता है) इन क्षेत्रों से होकर बहती है।	

माउंट एवरेस्ट

- इसकी ऊँचाई **8,849 मीटर** (29,032 फीट) है।
- यह शिखर **नेपाल** और **चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** की सीमा पर स्थित है।
- माउंट एवरेस्ट **हिमालय पर्वत श्रृंखला** की सबसे ऊँची चोटी है और इसे **पृथ्वी का सर्वोच्च बिंदु** माना जाता है।

कंचनजंघा

- भारत (सिक्किम) में स्थित कंचनजंघा दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत है जिसकी ऊँचाई 8,586 मीटर (28,169 फीट) है।
- इसे वर्ष 1856 में आधिकारिक रूप से दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत घोषित किया गया था।
- यह पूर्वी हिमालय में, भारत और पूर्वी नेपाल की सीमा पर स्थित है।
- कंचनजंघा में पाँच शिखर शामिल है और सिक्किम में इसे "हिम के पाँच खजाने" के रूप में जाना जाता है।

साल्तोरो कांगरी

- यह **साल्तोरो पर्वत श्रृंखला** की सबसे ऊँची चोटी है, जो **काराकोरम पर्वत श्रृंखला** की एक उपश्रृंखला है।
- यह **वास्तविक भू-नियंत्रण रेखा (AGPL)** के समीप स्थित है और **सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र** में **भारत एवं पाकिस्तान** के नियंत्रित क्षेत्रों की सीमा का निर्माण करती है।
- साल्तोरो कांगरी एक **विवादित क्षेत्र** में स्थित है जो भारत और पाकिस्तान के बीच **काराकोरम** में स्थित **सियाचिन ग्लेशियर** का हिस्सा है।
- यह क्षेत्र **अत्यंत सामरिक महत्त्व** रखता है, इसी कारण **दोनों देश यहाँ सैन्य उपस्थिति** बनाए रखते हैं और यह स्थान विश्व के **सबसे ऊँचे युद्धक्षेत्रों** में से एक माना जाता है।

B. **हिमालय का पूर्व–पश्चिम दिशा में विभाजन**

विभाजन	विशेषताएँ	प्रमुख शिखर / पर्वतमालाएँ
कश्मीर / उत्तर–पश्चिमी हिमालय	i. **कश्मीर घाटी** (विवर्तनिकी कारणों से निर्मित) जिसमें प्रसिद्ध **डल** और **वुलर** झील स्थित है। ii. **पैंगोग त्सो झील** लद्दाख में स्थित है। iii. **करेवा** (झीलों के किनारे बने तलछटी अवशेष) **केसर की खेती** के लिए प्रसिद्ध है। iv. **सबसे लंबी पर्वतमाला, पीर पंजाल पर्वतमाला** जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से होकर गुजरती है।	➢ **प्रमुख पर्वतमालाएँ:** काराकोरम, लद्दाख, जास्कर (सासेर कांगरी), पीर पंजाल ➢ मुख्य शिखर: **K2 (8611** मीटर ऊँची, भारत की **सबसे ऊँची चोटी,**पाक-अधिकृत कश्मीर में स्थित**), नंगा पर्वत, गाशरब्रुम, राकापोशी**।
हिमाचल एवं उत्तराखंड हिमालय	➢ हिमाद्रि, हिमाचल और शिवालिक पर्वतमालाओं को सम्मिलित करने पर यह सम्पूर्ण क्षेत्र सामान्यतः **कुमाऊँ हिमालय** के नाम से जाना जाता है। ➢ **हिमाचल प्रदेश** में **कांगड़ा** और **कुल्लू घाटियाँ** स्थित हैं। ➢ यह क्षेत्र **सतलज** और **काली नदियों** के बीच फैला हुआ है। ➢ यहाँ प्रसिद्ध **फूलों की घाटी** स्थित है।	➢ **प्रमुख पर्वतमालाएँ:** महान हिमालय (हिमाद्रि), धौलाधर पर्वतमाला, **नाग** टिब्बा उपश्रृंखला और शिवालिक । ➢ **मुख्य शिखर: कामेत (7,756 मीटर), नंदा देवी, केदारनाथ, त्रिशूल, बंदरपुंछ** (यमुना नदी का उद्गम क्षेत्र यहीं स्थित है।)
नेपाल हिमालय	i. सर्वोच्च निरंतर हिमालयी श्रृंखला ii. दक्षिणी तलहटी में प्रसिद्ध चाय बागान स्थित है। iii. काली और तीस्ता नदियों के बीच स्थित	➢ **मुख्य पर्वतमालाएँ:** महाभारत और चुरिया श्रेणियाँ ➢ **मुख्य शिखर**: एवरेस्ट, अन्नपूर्णा, धौलागिरि, मकालू
दार्जिलिंग एवं सिक्किम हिमालय	i. प्रसिद्ध चाय बागान ii. अद्वितीय ऑर्किड विविधता iii. लेपचा जनजाति का निवास स्थान	➢ **मुख्य पर्वतमाला**: कंचनजंघा, महाभारत पर्वत श्रृंखला की सन्निकट श्रेणियाँ ➢ **मुख्य शिखर:** कंचनजंघा
अरुणाचल हिमालय या असम हिमालय	➢ यह पश्चिम में तीस्ता नदी और पूर्व में दिहांग नदी (तिब्बत में जिसे सियांग नदी या त्सांगपो कहते हैं) के बीच स्थित है। ➢ ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की पूर्वी सीमा को दर्शाती है।	➢ **मुख्य पर्वतमालाएँ**: पटकाई बुम**,** नागा पहाड़ियाँ**,** अबोर पहाड़ियाँ ➢ **मुख्य शिखर**: नामचा बरवा**,** कांग्तो

C. **पूर्वांचल हिमालय**

✓ पूर्वोत्तर भारत में हिमालय का पूर्वी विस्तार जो दिहांग घाटी से आगे दक्षिण की ओर मुड़ते हुए, प्रायः उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली हुई पहाड़ी पर्वतमालाओं की एक श्रृंखला बनाता है।

उप-श्रेणी	संरचना एवं संगठन	विशेषताएँ एवं उपयोग	सर्वोच्च शिखर	अन्य विशेषताएँ
पटकाई बुम	अत्यधिक खंडित पहाड़ियाँ, घने वर्षावनों से आच्छादित।	अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच **अंतरराष्ट्रीय सीमा** का निर्माण करती है।	—	**जैव विविधता हॉटस्पॉट**

नागा पहाड़ियाँ	मुख्यतः **आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों** से निर्मित।	भारत और म्यांमार के बीच **जल विभाजक** के रूप में कार्य करती है।	**माउंट सारामती**	स्थानीय ना**गा जनजाति द्वारा झूम खेती** की जाती है।
मणिपुर पहाड़ियाँ	**अवसादी परतें** एवं **मिट्टी के निक्षेप** पाए जाते है।	यह नागा पर्वतमाला का **दक्षिणी दिशा में विस्तार** है।	—	—
बरैल पर्वतमाला	वलित निक्षेप, जो इसे नगा हिल्स से अलग करते हैं	**संकीर्ण घाटियाँ** और **मध्यम ऊँचाई वाले क्षेत्र** इसकी विशेषता हैं	**माउंट टेम्पू/इसो (मणिपुर)**	—
मिज़ो (लुशाई) पहाड़ियाँ	**मोलासेस बेसिन** के असंघटित अवसादी पदार्थों से निर्मित	स्थानीय रूप से **"ब्लू माउंटेन क्षेत्र"** के नाम से प्रसिद्ध	**फावंगपुई (2,157 मीटर)**	समृद्ध **जनजातीय संस्कृति** और **निरंतर झूम खेती** की परंपरा

✓ **मेघालय**

- गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ, जो मालवा पठार काल के दौरान निर्मित हुई थी।
- इन पहाड़ियों का नामकरण यहाँ निवास करने वाली जनजातियों के आधार पर किया गया है।
- मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित मासिनराम पृथ्वी पर सबसे अधिक वार्षिक वर्षा प्राप्त करने के लिए प्रसिद्ध है। खासी पहाड़ियों की विशिष्ट स्थलाकृति वर्षा-वाहक बादलों के पर्वतीय उत्थान को प्रोत्साहित करती है जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक भारी वर्षा होती है।
- मेघालय की राजधानी शिलांग, खासी पहाड़ियों में स्थित है।
- प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के कारण मेघालय को "पूर्व का स्कॉटलैंड" भी कहा जाता है।

प्रमुख हिमालयी हिमनद

हिमनद का नाम	स्थान	महत्वपूर्ण विशेषताएँ
सियाचिन	काराकोरम पर्वतमाला	हिमालय की नुब्रा घाटी; ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दूसरा सबसे लंबा हिमनद; ट्रांस-हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद।
बियाफो	काराकोरम	शिगार नदी में प्रवाहित होता है।
गंगोत्री	उत्तराखंड	इसका उद्गम चौखंबा चोटी के नीचे स्थित है; 'गोमुख' के नाम से भी जाना जाता है।
हिस्पर	गिलगित-बाल्टिस्तान	विश्व की सबसे लंबी हिमानी प्रणाली।
ज़ेमू	सिक्किम/नेपाल	पूर्वी हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद; तीस्ता नदी को जल प्रदान करता है।
सोनापानी	लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश	पीर पंजाल श्रेणी का सबसे लंबा हिमनद; इसकी एक जलधारा चंद्रा नदी में मिलती है जो आगे भागा नदी से मिलकर चेनाब नदी का निर्माण करती है।
मिलाम	उत्तराखंड	सरयू की सहायक गोरी गंगा नदी का प्रमुख स्रोत; कुमाऊँ हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद।
चोंग कुमदान	काराकोरम, लद्दाख	संभावित अवरोध के कारण श्योक नदी को जल प्रदान करता है।
दियामिर	पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (POK)	'पर्वतों का राजा' के नाम से प्रसिद्ध।
रुपल	कश्मीर	महान हिमालय में स्थित; उत्तर-पूर्व दिशा में प्रवाहित।
थाजिवास, प्रुई और भिलांस	जम्मू और कश्मीर	—

प्रमुख हिमालयी दर्रे

दर्रे का नाम	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	स्थिति / सीमा	महत्त्व
ज़ोजिला दर्रा	जम्मू-कश्मीर, लद्दाख	महान हिमालय	श्रीनगर–लेह को जोड़ता है; **रक्षात्मक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्त्वपूर्ण**
बनिहाल दर्रा	जम्मू-कश्मीर	पीर पंजाल पर्वतमाला	इसके नीचे **जवाहर सुरंग** बनी है; श्रीनगर–जम्मू मार्ग का हिस्सा; भारत को कश्मीर से जोड़ने वाला प्रमुख दर्रा
खारदुंग ला	लद्दाख	लद्दाख पर्वतमाला	**सियाचिन ग्लेशियर** तक जाने वाला मार्ग; विश्व के सबसे ऊँचे मोटर योग्य सड़कों में से एक
चांग ला	लद्दाख	लद्दाख पर्वतमाला	**लेह को पैंगोंग झील** से जोड़ता है
फोतू ला	लद्दाख	जास्कर पर्वतमाला	**श्रीनगर–लेह राजमार्ग** का सबसे ऊँचा बिंदु
नामिका ला	लद्दाख	जास्कर पर्वतमाला	**कारगिल–लेह मार्ग** पर स्थित
बारालाचा ला	हिमाचल प्रदेश	जास्कर पर्वतमाला	**लेह–मनाली राजमार्ग** पर स्थित
शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश	भारत–तिब्बत सीमा (किन्नौर)	ऐतिहासिक रेशम (सिल्क रूट) **व्यापारिक मार्ग**
माना दर्रा	उत्तराखंड	चमोली जिला	**कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग**; भारत–चीन सीमा मार्ग
नीति दर्रा	उत्तराखंड	चमोली जिला	तिब्बत को जाने वाला **प्राचीन व्यापारिक मार्ग**
लिपुलेख दर्रा	उत्तराखंड	पिथौरागढ़ जिला	**कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग**; **भारत–नेपाल–तिब्बत त्रि-जंक्शन**
नाथू ला	सिक्किम	भारत–चीन सीमा	**भारत–चीन के बीच व्यापारिक चौकी**; विश्व के सबसे ऊँचे मोटर योग्य दर्रों में से एक; सिक्किम को **तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** से जोड़ता है
जेलेप ला	सिक्किम	कलिम्पोंग के निकट	प्राचीन काल में **ल्हासा (तिब्बत)** जाने वाला व्यापार मार्ग
सेला दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	तवांग जिला	**तवांग को राज्य के बाकी हिस्सों से जोड़ती है; सेला सुरंग दुनिया की सबसे लंबी ट्विन लेन सुरंग है, जो 13000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है।**
बुम ला	अरुणाचल प्रदेश	तवांग के समीप	भारत–चीन के बीच **संवेदनशील सैन्य दर्रा**
दिफू/डिफर दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वी कामेंग	**पूर्वी हिमालय** का दुर्गम व सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण दर्रा
खुंजराब दर्रा	पाक-अधिकृत कश्मीर (POK)	चीन–पाकिस्तान सीमा	**CPEC मार्ग** पर स्थित; चीन और पाकिस्तान को जोड़ता है
लानक ला	लद्दाख (विवादित सीमा)	अक्साई चिन (भारत–चीन)	विवादित **भारत–चीन सीमा दर्रा**
लेखापानी	अरुणाचल प्रदेश	असम–अरुणाचल सीमा के पूर्वी छोर पर	द्वितीय विश्व युद्ध कालीन **स्टिलवेल रोड** का ऐतिहासिक मार्ग; सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

रोहतांग दर्रा	हिमाचल प्रदेश	पीर पंजाल पर्वतमाला	**कुल्लू घाटी को लाहौल और स्पीति घाटियों** से जोड़ता है; **चिनाब और ब्यास नदी घाटियों** को अलग करता है
देब्सा दर्रा	हिमाचल प्रदेश	—	**कुल्लू और स्पीति जिलों** के बीच स्थित
दिहांग दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	—	**अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार** से जोड़ता है
खैबर दर्रा	पाकिस्तान–अफगानिस्तान	—	**पेशावर (पाकिस्तान)** को **जलालाबाद (अफगानिस्तान)** से जोड़ता है; प्राचीन **रेशम मार्ग (Silk Route)** का हिस्सा
मोलिंग ला दर्रा एवं मंगशा धुरा दर्रा	उत्तराखंड	महान हिमालय	**उत्तराखंड को तिब्बत** से जोड़ने वाले मार्ग

उत्तरी मैदान

- यह मैदान **सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेपों** से बना है।
- **आकार:** लगभग **3,200 किलोमीटर लंबा** और **150 से 300 किलोमीटर चौड़ा** क्षेत्र।
- विभाजन (उत्तर से दक्षिण दिशा में):
  - ✓ **भाबर क्षेत्र:** शिवालिक पर्वतमालाओं की तलहटी में स्थित **कंकरीला और छिद्रयुक्त** क्षेत्र।
  - ✓ **तराई क्षेत्र: दलदली भूमि** जिसमें नदियाँ पुनः सतह पर प्रकट होती हैं**; दुधवा राष्ट्रीय उद्यान** यहीं स्थित है।
  - ✓ **जलोढ़ मैदान :**
    - **खादर:** नवीन जलोढ़ निक्षेप; **बाढ़ के मैदानों में जमा उपजाऊ मिट्टी से निर्मित**।
    - **बांगर:** प्राचीन जलोढ़ निक्षेप; **कैल्सियम कार्बोनेट युक्त (कैल्केरियस) मिट्टी**।
- **नदी अपरदन से निर्मित मैदान** को **पेनीप्लेन** कहा जाता है।
- **गंगा–ब्रह्मपुत्र मैदान**
  - ✓ यह एक **अत्यधिक बाढ़-प्रवण** मैदान है।
  - ✓ **गंगा मैदान घग्घर नदी** से लेकर **तीस्ता नदी** तक फैला हुआ है।
  - ✓ इस क्षेत्र में **सुंदरबन डेल्टा (विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा)** एवं **घनी आबादी वाला** विशाल **गंगा मैदान** भी स्थित है। **सुंदरबन वनक्षेत्र** अपने **मैंग्रोव वनस्पति** के लिए प्रसिद्ध है।
  - ✓ **गंगा डेल्टा** का सबसे **उत्तरी बिंदु फरक्का** है।
  - ✓ **गोखुर झीलें इस मैदान की** सामान्य भू-आकृतिक विशेषता है।
  - ✓ **जलोढ़ मृदा के जमाव (भांगर) ऊपरी एवं मध्य गंगा के मैदानों** की प्रमुख विशेषता है।
  - ✓ **माजुली द्वीप (असम)** जैसे **नदी द्वीप** विश्व के **सबसे बड़े नदी द्वीपों** में से एक हैं।

प्रायद्वीपीय पठार

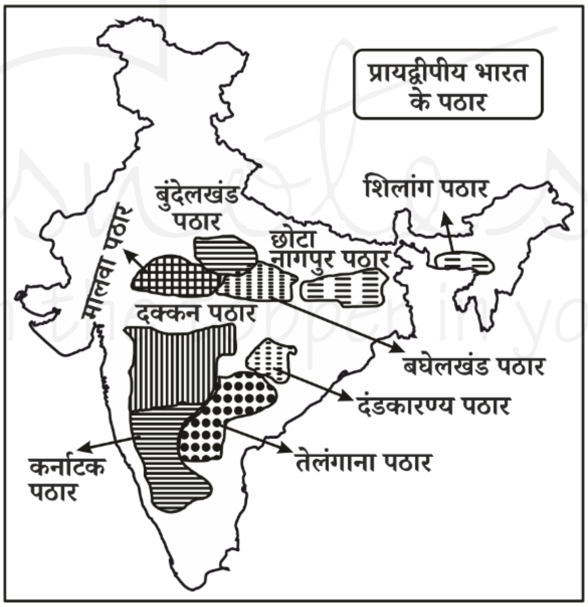

- **भारत का सबसे बड़ा और सबसे प्राचीन स्थलखंड,** जिसका उद्गम **गोंडवाना भूमि** से हुआ था; यह अत्यंत स्थिर और कठोर भू-भाग है।
- **ऊँचाई:** 150 से 900 मीटर के बीच।
- **ढाल:** पूर्व की ओर।
- **उत्तर-पश्चिमी** क्षेत्र **में काली मृदा की प्रधानता**।

- **पठार** के बाह्य विस्तार में **उत्तर-पश्चिम में दिल्ली रिज, पूर्व में राजमहल पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिर पर्वत श्रृंखला** और **दक्षिण में इलायची (कार्डमम) पहाड़ियाँ** शामिल है। **पूर्व की ओर इसका विस्तार शिलॉंग एवं कार्बी-आंगलोंग (असम) पठार** के रूप में देखा जाता है।
- **नर्मदा नदी** इस प्रायद्वीपीय पठार को दो स्पष्ट भागों में विभाजित करती है: उत्तर में मालवा पठार और दक्षिण में दक्कन पठार।
- विभाजन:
  - ✓ दक्कन पठार
  - ✓ दक्षिण भारत में, बेसाल्ट चट्टानों से निर्मित दक्कन का पठार त्रिकोणीय भू-आकृति है जो पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट के बीच फैला हुआ है। इसका निर्माण क्रीटेशियस काल के अंत में हुआ था।
  - ✓ यह नर्मदा नदी के दक्षिण में विस्तृत है और उत्तर में विंध्याचल तथा सतपुड़ा पर्वतमालाओं से घिरा है।
  - ✓ दक्कन पठार से प्रवाहित होने वाली नदियों ने गहरी घाटियों का निर्माण किया है, जिसके कारण यह पठार कई छोटे-छोटे उप-पठारों में विभाजित हो गया है, जैसे: महाराष्ट्र पठार, कर्नाटक पठार, आंध्र प्रदेश / तेलंगाना पठार।
  - ✓ प्रायद्वीपीय पठार का काली मृदा वाला क्षेत्र "दक्कन ट्रैप" कहलाता है जो पश्चिम-मध्य भारत का एक विशाल आग्नेय प्रांत है।
  - ✓ यह क्षेत्र अपनी उपजाऊ काली मिट्टी (रेगुर मिट्टी) के लिए प्रसिद्ध है, जो कपास की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है।
  - ✓ काली मिट्टी में भरपूर मात्रा में कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूना पाया जाता है, लेकिन नाइट्रोजन और जैविक पदार्थों की कमी रहती है।
  - ✓ इसकी नमी-संरक्षण क्षमता के कारण यह शुष्क कृषि के लिए भी उपयुक्त है।

कर्नाटक पठार

- कर्नाटक पठार, जिसे मैसूर पठार भी कहा जाता है, महाराष्ट्र पठार के दक्षिण में स्थित है।
- कर्नाटक पठार को दो भागों में विभाजित किया गया है – 'मलनाड' और 'मैदान'। कन्नड़ भाषा में "मलनाड" का अर्थ "पहाड़ी देश" होता है जो घने वनों और गहरी घाटियों की विशेषता रखता है।
- इसके विपरीत, मैदान क्षेत्र में लहरदार समतल मैदान और निम्न ग्रेनाइट पहाड़ियाँ पाई जाती है।

- पश्चिमी घाट:
  - ✓ स्थानीय रूप से महाराष्ट्र में इन्हें 'सह्याद्रि', कर्नाटक और तमिलनाडु में 'नीलगिरि पहाड़ियाँ' तथा केरल के मालाबार तट पर 'अन्नामलाई' और 'इलायची पहाड़ियाँ' कहा जाता है।
  - ✓ इसकी औसत ऊँचाई लगभग 1,500 मीटर है; दक्षिण की ओर ये अधिक ऊँची और सतत हो जाती हैं।
  - ✓ ये केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात (धिनोधर पहाड़ियाँ) में फैली हुई हैं।
  - ✓ उद्गम स्थल: गोदावरी, कृष्णा, कावेरी नदियों का।
  - ✓ **प्रमुख शिखर**: अनामुड़ी (2,695 मी), डोड्डाबेट्टा (2,637 मी), ऊटी (2,240 मी), पुष्पगिरि (1,712 मी) — सभी नीलगिरी में स्थित है।
  - ✓ **प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल**: ऊटी (समुद्र तल से दूसरा सबसे ऊँचा हिल स्टेशन), मुन्नार, कोडईकनाल (पालनी पहाड़ियों में स्थित) आदि।
  - ✓ चिक्कमंगलुरु जिले में स्थित "कुद्रेमुख" कर्नाटक की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है। यह विशिष्ट चोटी घोड़े के चेहरे के आकार की है।
  - ✓ **नीलगिरि (नीली पर्वतमाला)**
    - नीलगिरि पर्वतमाला दक्षिण भारत में तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के त्रि-जंक्शन पर स्थित है।
    - यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है जो भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर फैली हुई है।
    - इस श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी डोड्डाबेट्टा है जिसकी ऊँचाई 2,637 मीटर (8,652 फीट) है।
    - नीलगिरि अपनी उच्च्य गुणवत्ता वाली चाय और कॉफी की खेती के लिए भी प्रसिद्ध हैं।
  - ✓ **कलसुबाई**
    - कलसुबाई महाराष्ट्र की सबसे ऊँची चोटी है, जो अकोला तालुका, अहमदनगर जिले में स्थित है।
    - सह्याद्रि पर्वतमाला की यह उत्तरी चोटी 1,646 मीटर (लगभग 5,400 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है।
    - इसे "महाराष्ट्र का एवरेस्ट" भी कहा जाता है। चोटी पर देवी कलसुबाई का एक छोटा मंदिर स्थित है जो स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है।

✓ **तारामती चोटी**

- तारामती चोटी **हरिश्चंद्रगढ़** की दो प्रमुख चोटियों में से एक है।
- यह समुद्र तल से 1,431 मीटर (4,695 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है और महाराष्ट्र की छठी सबसे ऊँची चोटी मानी जाती है।
- **हरिश्चंद्रगढ़** पठार पर स्थित यह चोटी प्राकृतिक सौंदर्य और चुनौतीपूर्ण मार्गों के कारण शुरुआती और अनुभवी दोनों प्रकार के ट्रेकर्स के लिए उत्कृष्ट ट्रेकिंग अनुभव प्रदान करती है।

पश्चिमी घाट में स्थित विभिन्न दर्रे, जिन्हें घाट खंड कहा जाता है – थाल घाट, भोर घाट और पाल घाट (उत्तर से दक्षिण की ओर)

- ➢ थाल घाट – यह एक पर्वतीय दर्रा है जो महाराष्ट्र के कसारा नगर के पास स्थित है और मुंबई–नासिक मार्ग पर स्थित है।
- ➢ भोर घाट – यह एक पर्वतीय मार्ग है जो पश्चिमी घाट पर स्थित है और महाराष्ट्र में पलसाद्री और खंडाला को रेलवे द्वारा तथा खोपोली और खंडाला को सड़क मार्ग द्वारा जोड़ता है।
- ➢ पाल घाट (पलक्कड़ दर्रा) – यह दर्रा पश्चिमी घाट में लगभग 32 किलोमीटर चौड़ा है और केरल–तमिलनाडु की सीमा पर स्थित है जो इन दोनों राज्यों के बीच एक प्रमुख संपर्क मार्ग के रूप में कार्य करता है।

➢ **पूर्वी घाट:**

- ✓ पूर्वी घाट एक खंडित, नीची और अत्यधिक क्षरित पर्वत श्रृंखला है जो ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना से होकर गुजरती है।
- ✓ **औसत ऊँचाई:** 600 मीटर
- ✓ **मुख्य पर्वतमालाएँ** (उत्तर से दक्षिण की ओर): महेन्द्रगिरि (सबसे ऊँची चोटी, 1501 मी. ऊँची, ओडिशा), नल्लामाला हिल्स (श्रीशैलम मंदिर), वेलिकोंडा, पालकोंडा, जावदी, शेवरोय, पचमलाई, सिरुमलाई पहाड़ियाँ।
- ✓ नीलगिरी में पूर्वी और पश्चिमी घाट आपस में मिलते है जो सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व (तमिलनाडु) के साथ एक गलियारा बनाता है।
- ✓ देवमाली चोटी, जिसकी ऊँचाई 1,672 मीटर है, ओडिशा की सबसे ऊँची चोटी है। यह पूर्वी घाट की चंद्रगिरि–पोट्टांगी उपशृंखला में स्थित है। यह ओडिशा के कोरापुट ज़िले में, कोरापुट नगर के पास स्थित है।
- ✓ पूर्वी घाट महानदी और वैगई नदियों के बीच पूर्वी तट के समानांतर है जो महानदी घाटी से दक्षिण की ओर नीलगिरी तक फैले हुए हैं।

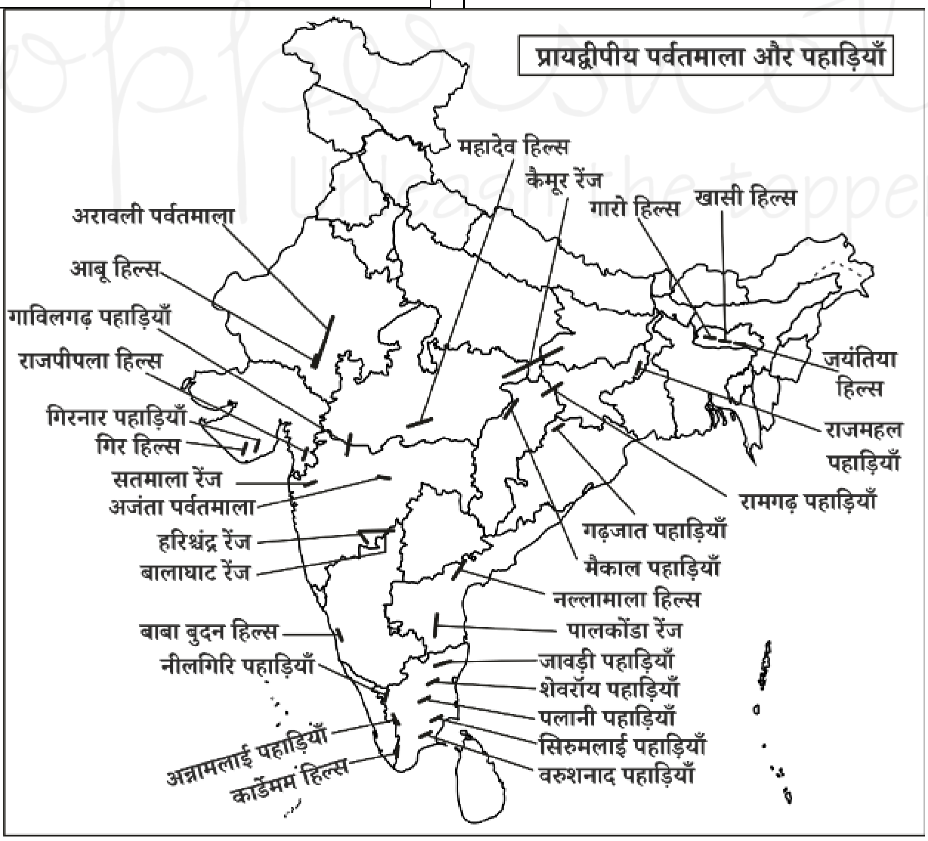

मध्यवर्ती उच्चभूमि

- पश्चिम में अरावली पर्वतमाला से घिरी हुई है।
- यह विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं की विभाजित श्रृंखलाओं से निर्मित है।
- माउंट धूपगढ़ मध्य प्रदेश की सतपुड़ा पर्वतमाला की महादेव पहाड़ियों में स्थित है तथा सतपुड़ा पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है। इसकी ऊँचाई 1,352 मीटर (4,429 फीट) है। यह पचमढ़ी क्षेत्र में स्थित है और सूर्यास्त देखने के लिए एक लोकप्रिय स्थल माना जाता है। पचमढ़ी हिल स्टेशन इस शिखर के निकट स्थित है।

1. **विंध्य पर्वतमाला**
   - ✓ यह पर्वतमाला भारत के उत्तर और दक्षिण के बीच पारंपरिक सीमा बनाती है और गंगा के मैदानों को दक्कन के पठार से अलग करती है। कर्क रेखा भी इसी पर्वत श्रृंखला से होकर गुजरती है।
   - ✓ यह दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला और उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वतमाला से घिरी हुई है।
   - ✓ इसकी सबसे ऊँची चोटी गुडविल शिखर को कालूमर या कालुम्बे पीक भी कहा जाता है, जिसकी समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 2,467 फीट है। यह मध्य प्रदेश के दमोह जिले में सिंगरामपुर के पास भानरेर या पन्ना पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।
   - ✓ विंध्य पर्वतमाला मुख्य रूप से गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में फैली हुई है।
   - ✓ कैमूर श्रृंखला विंध्य पर्वतमाला का पूर्वी भाग है, जो मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के कटंगी क्षेत्र से शुरू होकर बिहार के रोहतास जिले के सासाराम तक फैली हुई है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 483 किलोमीटर (300 मील) है।
2. **बैलाडीला पर्वतमाला**
   - ✓ बैलाडीला पर्वतमाला छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) जिले में स्थित है।
   - ✓ इसका नाम "बैलाडीला" इसलिए पड़ा क्योंकि इसकी पहाड़ियाँ बैल के कूबड़ जैसी दिखाई देती हैं।
   - ✓ यह पर्वतमाला छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा बिंदु मानी जाती है। बैलाडीला उच्च श्रेणी के हेमेटाइट लौह अयस्क के लिए प्रसिद्ध है, जिसे जापान, स्लोवाकिया, इटली, श्रीलंका और अन्य देशों में निर्यात किया जाता है।
3. **अरावली पर्वतमाला**
   - ✓ अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन वलित पर्वतमाला है जो दिल्ली से लेकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान से होते हुए गुजरात तक फैली हुई है। राजस्थान में इसकी दिशा उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम है।
   - ✓ दिल्ली रिज भी इसी पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है और यह गंगा तथा सिंधु नदियों के बीच जल विभाजक के रूप में कार्य करता है।
   - ✓ गुरु शिखर अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है जो राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित है। इसकी ऊँचाई 1,722 मीटर (5,650 फीट) है। यहाँ अहमदाबाद की भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा संचालित माउंट आबू वेधशाला भी है।
   - ✓ इस शिखर का नाम हिंदू देवता गुरु दत्तात्रेय के नाम पर रखा गया है जिनका इस शिखर पर मंदिर भी है। कुंभलगढ़ का किला, जिसे "भारत की महान दीवार" कहा जाता है, अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी किनारे पर स्थित है और इसकी दीवार विश्व में चीन की महान दीवार के बाद दूसरी सबसे लंबी दीवार है।
4. **मैकाल पर्वतमाला**
   - ✓ मैकाल पर्वतमाला सतपुड़ा पर्वतमाला का पूर्वी भाग है जो छत्तीसगढ़ के कावर्धा जिले और मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में फैली हुई है।
   - ✓ नर्मदा, महानदी और सोन नदियों का उद्गम इसी पर्वतमाला से होता है।
   - ✓ इसकी सबसे ऊँची चोटी अमरकंटक है जो धार्मिक और भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है।
   - ✓ कान्हा राष्ट्रीय उद्यान भी मैकाल पर्वतमाला में स्थित है।
   - ✓ इस क्षेत्र में मुख्य रूप से बैगा और गोंड जनजातियाँ निवास करती हैं।

Unleash the topper in you

मेलघाट दर्रा (महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश)

- **मेलघाट दर्रा** महाराष्ट्र की **सतपुड़ा पर्वतमाला** में स्थित है और यह अपने भौगोलिक स्थान तथा पारिस्थितिक समृद्धि के लिए उल्लेखनीय है।
- यहाँ **मेलघाट टाइगर रिज़र्व** स्थित है जो **महाराष्ट्र के अमरावती, अकोला और बुलढाणा** जिलों में फैला हुआ है।

5. **बुंदेलखंड**
   - ✓ मालवा पठार का पूर्वी विस्तार, बुंदेलखंड मध्य भारत का एक ऐतिहासिक क्षेत्र है जो अब मध्य प्रदेश का भाग है।
   - ✓ यह क्षेत्र विंध्य क्षेत्र, बीहड़ और उत्तर-पूर्वी मैदानों की विशेषताओं से युक्त है।
6. **बघेलखंड**
   - ✓ बघेलखंड दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में स्थित है जो मैकाल पर्वतमाला के पूर्व में और सोन नदी घाटी के दक्षिण में फैला हुआ है।
   - ✓ इसकी ऊँचाई 150 से 1,200 मीटर के बीच है। इसका पश्चिमी भाग चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बना है जबकि पूर्वी भाग में ग्रेनाइट पाया जाता है।
7. **दंडकारण्य**
   - ✓ दंडकारण्य क्षेत्र एक पठारी क्षेत्र है जो छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में फैला हुआ है।
   - ✓ यह पश्चिम में अबूझमाड़ की पहाड़ियों से लेकर पूर्व में पूर्वी घाट तक फैला हुआ है।
   - ✓ यह प्राचीन धारवाड़ चट्टानों से बना हुआ है और बस्तर के मैदानों तक फैला है जो बीजापुर और सुकमा जिलों तक विस्तारित है।
   - ✓ इस क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी बैलाडीला की नंदिराज चोटी है जिसकी ऊँचाई 1,210 मीटर है।
   - ✓ यह क्षेत्र गोदावरी जल निकासी तंत्र का हिस्सा है जिसमें इंद्रावती नदी सबसे प्रमुख नदी है।
8. **मालवा पठार**
   - ✓ मालवा पठार उत्तर-मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण पठारी क्षेत्र है।
   - ✓ यह उत्तर में बुंदेलखंड, पूर्व और दक्षिण में विंध्य पर्वतमाला, पश्चिम में गुजरात के मैदानों तथा उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ है और यह गंगा तथा नर्मदा घाटियों के बीच एक जल विभाजक का कार्य करता है।
   - ✓ इसकी ऊँचाई 1,650 से 2,000 फीट तक है।
   - ✓ पठार का पश्चिमी भाग माही नदी द्वारा, मध्य भाग चंबल नदी द्वारा तथा पूर्वी भाग बेतवा, धसान और केन नदियों द्वारा अपवाहित होता है।

उत्तर-पूर्वी पठार

- **प्रायद्वीपीय पठार** छोटा नागपुर, शिलांग, मेघालय (गारो, खासी, जयंतिया) तक फैला हुआ है।
- **विशेषताएँ:** यह खनिजों से समृद्ध तथा अत्यधिक अपरदित क्षेत्र है (जैसे – मेघालय का मॉसिनराम क्षेत्र अत्यधिक वर्षा और दुर्गम स्थलाकृति के लिए प्रसिद्ध है)।
- **छोटा नागपुर पठार**
  - ✓ छोटा नागपुर पठार पूर्वी भारत में स्थित एक महाद्वीपीय पठार है। यह न केवल झारखंड बल्कि बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के आस-पास के क्षेत्रों को भी सम्मिलित करता है।
  - ✓ इसका कुल क्षेत्रफल लगभग **65,000** वर्ग किलोमीटर है।
  - ✓ इस पठार के उत्तर और पूर्व में गंगा का मैदान है जबकि दक्षिण में महानदी बेसिन स्थित है। यह भारत का सर्वाधिक खनिज-संपन्न पठार है।
  - ✓ इस पठार पर झारखंड का हुंडरू जलप्रपात भी स्थित है।
- **पारसनाथ पहाड़ी**
  - ✓ पारसनाथ पहाड़ी छोटा नागपुर पठार के पूर्वी भाग पर स्थित झारखंड की सबसे ऊँची चोटी है जिसकी ऊँचाई लगभग 1,365 मीटर है।
  - ✓ यह गिरिडीह जिले में स्थित है।
  - ✓ इस पहाड़ी का नाम जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के नाम पर रखा गया है।
  - ✓ यह जैन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और "शिखरजी" के नाम से भी प्रसिद्ध है।
  - ✓ ऐसा माना जाता है कि इस पहाड़ी पर कई तीर्थंकरों ने मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त किया था जिनमें 9वें तीर्थंकर भी शामिल है।
- ✓ इस पहाड़ी पर प्रत्येक तीर्थंकर के लिए पृथक मंदिरों का निर्माण किया गया है।

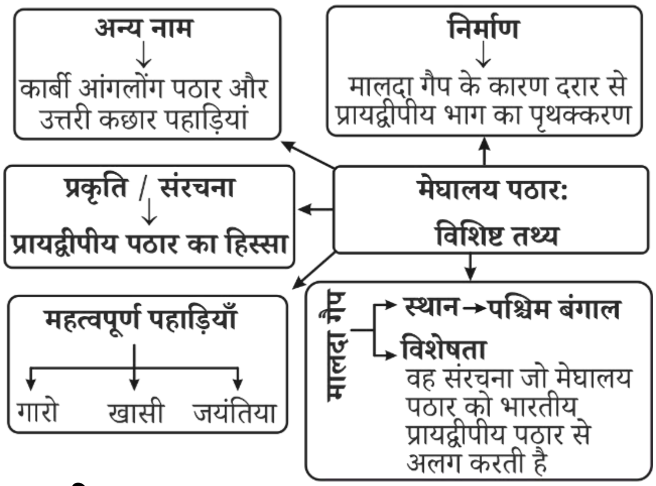

भारतीय मरुस्थल:

- **स्थान:** यह अरावली पर्वतमाला के उत्तर-पश्चिम में स्थित है जिसे थार का रेगिस्तान कहते है जिसका लगभग **85%** भाग भारत में और शेष **15%** भाग पाकिस्तान में है।
- **भू-आकृति:** यह शुष्क क्षेत्र है जहाँ बालू के टीले और अर्धचंद्राकार बालू टीले (बरखान) पाए जाते हैं। इसे स्थानीय रूप से 'मरुस्थली' कहा जाता है।
- **वर्षा:** बहुत कम; औसत वार्षिक वर्षा **150** मिलीमीटर से भी कम। यहाँ आंतरिक निकासी प्रणाली पाई जाती है अर्थात कोई प्रमुख नदी समुद्र तक नहीं पहुँचती।
- **नदियाँ:** लूणी नदी इस मरुस्थल के दक्षिणी भाग में मौसमी रूप से बहती है।
- **अन्य विशेषताएँ:**
  - ✓ यहाँ खारे पानी की झीलें और नमक युक्त **"प्लाया"** पाई जाती है जो नमक के प्रमुख स्रोत है। इस क्षेत्र में खड़ीन कृषि पद्धति अपनाई जाती है।
  - ✓ लाठी शृंखला और चांदन जलपट्टी जैसलमेर क्षेत्र में फैली एक भू-वैज्ञानिक जलधारा पट्टी है।
  - ✓ मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया अत्यधिक चराई, गहन कृषि, वनों की कटाई तथा मृदा एवं जल के अनुचित प्रबंधन आदि के कारण आरंभ एवं विस्तारित होती है।
  - ✓ जैसलमेर भारत का सबसे शुष्क स्थान है।

तटीय मैदान

- भारत की लंबी तटरेखा में गुजरात का सबसे बड़ा हिस्सा (23%) है और इसके बाद आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु का स्थान आता है।
- भारतीय मुख्य भूभाग में कुल 66 तटीय जिले स्थित हैं।

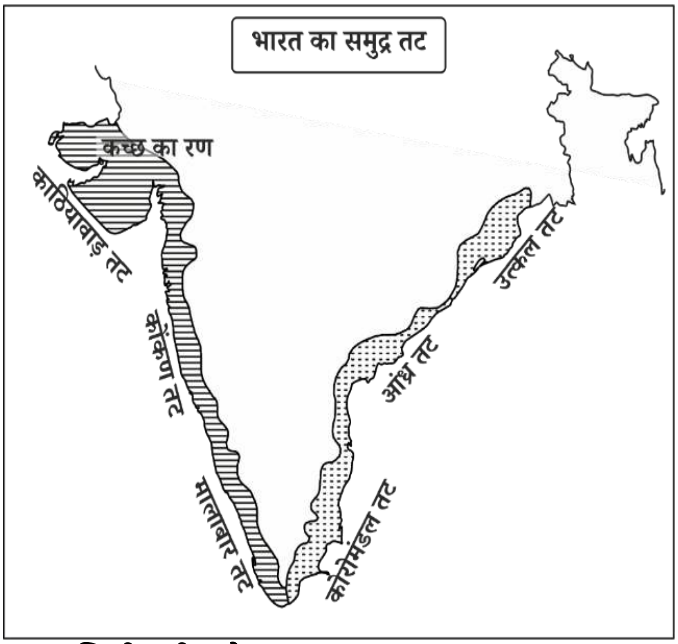

- **पश्चिमी तटीय मैदान:**
  - ✓ यह एक निमग्न तट है (ऐसा माना जाता है कि द्वारका नगर समुद्र में डूब गया था); यहाँ का तट संकरा और खड़ा है।
  - ✓ **विभाजन:** कच्छ – काठियावाड़ (गुजरात), कोंकण (महाराष्ट्र), कनारा (कर्नाटक), मालाबार (केरल)।
  - ✓ **बंदरगाह:** प्राकृतिक बंदरगाहों के लिए अत्यंत उपयुक्त क्षेत्र; प्रमुख बंदरगाह — कांडला (कच्छ की खाड़ी में), मुंबई, मंगलुरु, कोच्चि ("अरब सागर की रानी") और मोरमुगाओ (गोवा में ज़ुआरी नदी के मुहाने पर स्थित)।
  - ✓ केरल के मालाबार तट पर सर्वाधिक लैगून (जिन्हें यहाँ 'कयाल' कहा जाता है) पाए जाते है जो इस क्षेत्र की अनूठी जल-संरचनाएँ है।
  - ✓ भारत के पश्चिमी तट के मध्य भाग को "कन्नड़ मैदान" कहा जाता है।
- **पूर्वी तटीय मैदान:**
  - ✓ यह चौड़ा, विस्तृत और समतल तट है जो क्रमिक उत्थान और समुद्री प्रतिगमन से बना है।
  - ✓ यहाँ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी प्रमुख नदियों ने विशाल डेल्टा बनाये है जो अत्यंत उपजाऊ और घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं।

- ✓ प्रमुख बंदरगाह: पारादीप, तूतीकोरिन और हल्दिया।
- ✓ कृष्णा नदी के उत्तरी भाग को "उत्तरी सरकार" कहा जाता है।
- ✓ सुवर्णरेखा और बैतरणी नदी पूर्वी घाट के उत्तरी भाग को विभाजित करती है।
- ✓ तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के साथ कोरोमंडल तट फैला हुआ है।
- ✓ यहाँ महाद्वीपीय शेल्फ उथला होने के कारण बंदरगाहों की संख्या कम है जिससे प्राकृतिक रूप से गहरे बंदरगाहों का निर्माण कठिन होता है।

<u>द्वीप समूह</u>

➢ **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (बंगाल की खाड़ी):**

- ✓ **संख्या:** कुल 572 द्वीप, जिनमें से **38** द्वीपों पर स्थायी रूप से जनसंख्या निवास करती है।
- ✓ **कुल क्षेत्रफल: 8,249** वर्ग किलोमीटर।
- ✓ **उद्गम:** ज्वालामुखी से; यहाँ दक्षिण एशिया का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी **बैरन द्वीप** स्थित है जिसमें पहला विस्फोट **1787** में हुआ था और अंतिम प्रमुख विस्फोट **1991** में हुआ।
- ✓ **भूवैज्ञानिक संबंध:** यह म्यांमार की अराकान योमा पर्वतमाला का विस्तार है।
- ✓ **जलवायु एवं वनस्पति:** भूमध्यरेखीय जलवायु पाई जाती है जिसमें घने उष्णकटिबंधीय वन पाए जाते हैं।
- ✓ **सर्वोच्च शिखर:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सबसे ऊँचा शिखर **सैडल पीक (738** मीटर) है जो उत्तरी अंडमान में स्थित है। दूसरा सबसे ऊँचा शिखर **माउंट थुलियर (**ग्रेट निकोबार द्वीप) , तीसरा ऊँचा शिखर **माउंट डियावोलो (**मध्य अंडमान) और चौथा ऊँचा शिखर **माउंट कोयोब (**दक्षिणी अंडमान) है।
- ✓ **ग्रेट निकोबार द्वीप** भारत का सबसे बड़ा द्वीप है और यह भारत का **सबसे दक्षिणी बिंदु** भी है।
- ✓ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह **भूकंपीय जोन V** में स्थित है।

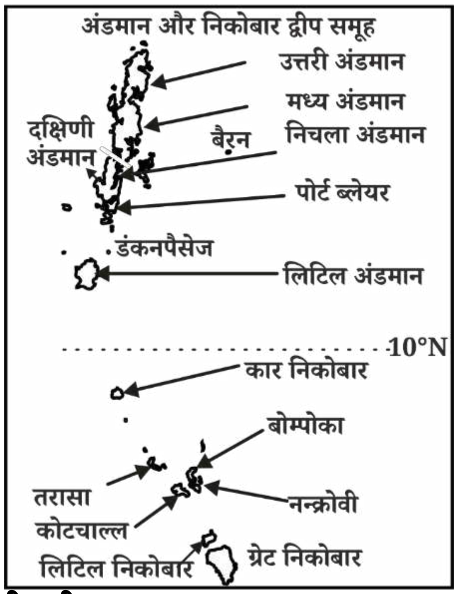

➢ **लक्षद्वीप द्वीपसमूह (अरब सागर):**

- ✓ **संख्या**: इसमें **36** प्रवाल द्वीप शामिल हैं, जिनमें **12** एटोल, तीन भित्ति, पाँच निमग्न तटबंध और दस द्वीप ऐसे है जिन पर जनसंख्या निवासित है।
- ✓ **मिनिकॉय** सबसे बड़ा द्वीप है। यह अपनी विशिष्ट संस्कृति और प्रकाशस्तंभ के लिए प्रसिद्ध है। इसका क्षेत्रफल **4.53** वर्ग किलोमीटर है।
- ✓ यह द्वीपसमूह **11°** चैनल द्वारा विभाजित है (उत्तर में अमीनी, दक्षिण में कन्नानोर)।
- ✓ लक्षद्वीप की राजधानी **कवरत्ती** है जो केरल तट से **220–440** किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह **प्रवाल द्वीप पर बसा नगर** है जो शांत लैगून, सफेद रेत वाली तटरेखा और पारिस्थितिकी समृद्धता के कारण पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है।

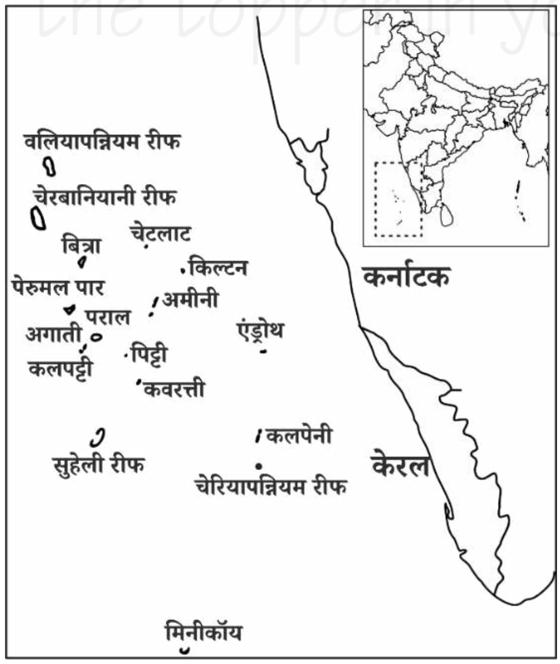

अपतटीय द्वीपों का स्थान

गंगा, भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों तथा मन्नार की खाड़ी के डेल्टा क्षेत्रों में स्थित द्वीप

- पीराम द्वीप → खंभात की खाड़ी
- भैंसाला द्वीप → काठियावाड़ तट
- दीव, बैदा, नोरा, पिरोटम, करूंभार → कच्छ तट
- खदिया बेट एवं आलिया बेट → नर्मदा और तापी नदी का मुहाना
- बुचर, करंजा, क्रॉस → मुंबई के पास
- भटकल, पिजन, कॉक, सेंट मैरी → मैंगलोर समुद्र तट के निकट
- न्यू मूर और गंगा सागर → गंगा डेल्टा क्षेत्र में

प्रमुख समुद्री चैनल

चैनल	विभाजन
8 डिग्री चैनल	मिनिकॉय और मालदीव
9 डिग्री चैनल	मिनिकॉय द्वीप और लक्षद्वीप द्वीपसमूह
10 डिग्री चैनल	अंडमान द्वीप और निकोबार द्वीप
11 डिग्री चैनल	अमिनदीवी और कन्नानोर द्वीप
डंकन पैसेज	दक्षिण/ग्रेट अंडमान और लिटिल अंडमान
सेंट जॉर्ज चैनल	लिटिल निकोबार और ग्रेट निकोबार
ग्रांड/ग्रेट चैनल	ग्रेट निकोबार और सुमात्रा द्वीप (इंडोनेशिया)
कोको जलसंधि	म्यांमार के कोको द्वीप (मध्य भाग) और उत्तरी अंडमान
पाक जलसंधि	तमिलनाडु (भारत) और उत्तरी श्रीलंका

भारत की प्रमुख घाटियाँ